काँधे पे कावड उठाली

काँधे पे कावड उठाली
भोले जी तेरी बम भोले
भोला नाचे भजावे ताली भोले जी तेरी बम बम भोले

अंग भभूती रमावे भोला मस्ती में जब आवे भोला,
श्मशानो के स्वामी भोला ओध्नाथ कहावे भोला
तेरे संग विराजे माँ काली
भोले रे तेरी बम भोले

जब जब यु सवान है आता कावडीयो का रेला जाता
नील कंठ की कठिन चड़ाई बम बम की जय कार लगाई
कावड की है बात निराली
भोले रे तेरी बम भोले

नाम तेरे का पी कर प्याला मन मन्दिर हो जाये शिवाला
कवाड़ीयो का बेश निराला छम छम नाचे डमरू वाला
नागर ने कावड उठा ली
भोले रे तेरी बम भोले

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17161/title/kaandhe-pe-kawad-uthaali

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |